हमरा सांस्कृतिक संस्कार सेहो विभिन्न सांस्कृतिक सँ
अंतर छथि, यद्यपि देशानुसार हमरा सांस्कृतिक
संग-संग चलैत, संग-संग बढ़ैत, विभिन्न
भिन्न मत के सामंजस्य करए अनेकता
मे एकता क डोरि मे बान्हि राखि
राष्ट्र के सुदृढ़ करबा मे योगदान
दैत छी। हमरा सांस्कृतिक एकता
संस्कृतिक नियम बनाकऽ ओकरा
प्रचलित करबाक नहि। जेना गंगा,
यमुना, सरस्वती, कावेरी आदि
नदी सभ प्रमुख तीर्थ, अयोध्या,
(3) मथुरा, काशी, कांची अवन्तिका आ द्वारका,
केदार, बद्री धामक ~~[illegible]~~ भौगोलिक
एकताक प्रतीक अछि। भ्रमण-तीर्थाटन
सँ देशक लोक मे ई भावना जागृत
होइत छैक जे कतबो हमर आहार-
व्यवहार, भाषा, वेश-भूषा आदि मे
हजारो पर हमरा सांस्कृतिक आधार
एक अछि जे विशाल वृक्षक एक
शाखा समान अछि। एहेन एकताक
भावना भारत सनक विशाल देशके
बाह्य आक्रमण सँ रक्षा करैत
अछि।

कोनो देशक [illegible] सुविधा [illegible]
[illegible] जे ओना हमरा सांस्कृतिक [illegible]
भाग आ कोनो सँ भाग। मुद्दा [illegible]

महिला उमर हेतुँ भारत मे रहितो ~~...~~
भिन्न-भिन्न धर्म, वर्ग, जाति, भाषाक
जनमानसके एक डोरि मे बान्हिकेँ सुन्दर
राष्ट्र बनल अछि। एकर मूल कारण
जनमानस अलगा-अलगा रहैत एकता मे
मे धार्मिक रहबाक कारणे वाकिदार,
सुसम्पन्न राष्ट्रक निर्माण करइलक।
इस्स भारतक सांस्कृतिक इन्द्रधनुषी-
मनोहर स्वरूप जगत विख्यात अछि।
हमर देशक भारत बाह्य आक्रमण झेलाक
(2) बाह्य एकताक कारणें अपन धरोहरि
एवं संस्कृति कें सुरक्षित राखि सकल
यद्यपि कोसेको देशक आपसी एकता
भाइ रहबाक कारणें अपन धरोहरि
एवं संस्कृतिकें भाइ बचा सकल।
बाह्य आक्रमणक कारणे आन-आन देशक
कला-कौशल जे भारत पहुँचल, तकरा
गुण-ग्राहक भए भारत अपनामे समा
कए लेलक। शिल्पक गंधार शैली, हिन्द
मिश्र व्यवहार, मियाँक टोड़ी आदि राग
कलाक नवीन शैलीक प्रादुर्भाव भेल।
भारत सदैव "सर्वे भवन्तु सुखिनः" क सि
समन्वयवादी रहल तेँ भारत वैदिक
काल सँ अद्यावधि धरि ~~सांस्कृतिक~~
राष्ट्रीय एकताक डोरि बान्हल रहल।

अनुकूलता मिलने पर इनका [illegible] में [illegible] प्राप्त कर सकते। यह [illegible] के संस्कार राष्ट्रीय भावनाओं के [illegible] करता है।

संगोष्ठी के अन्त में कुमार [illegible] सिंह कामना करते हुए कहा कि सब [illegible] में राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता भावना समस्त भारत में विकसित रहेगा।

(4)

S[illegible]
6/8/20